जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 54
दिनांक 27.02.2023

जनेकृविवि में मिलेट्स जैसे कोदो, कुटकी, रागी, सावां, ज्वार, बाजरा, कंगनी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 1 और 2 मार्च को
राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य आकर्षण– मिलेट्स के फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी

जबलपुर 27 फरवरी, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा से आगामी 1 और 2 मार्च, 2023 को आजादी के अमृत महोत्सव, जी–20, अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष–2023, मध्यप्रदेश मिलेट्स मिशन के अंतर्गत जनेकृविवि, नावार्ड, नाहेप, आई.आई.एम.आर., जी.आई.जेड. एपीडा, मध्यप्रदेश शासन, बार्क, पी. पी.व्ही.एफ.आर.ए. के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय **राष्ट्रीय सम्मेलन मिलेट्स के "उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणनः समस्याएं एवं समाधान"** विषय पर आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में सम्पूर्ण राष्ट्रीय में श्री अन्न (मोटे अनाज) पर कार्य करने वाले 300 से अधिक कृषि वैज्ञानिक जुटेंगे, साथ ही कृषकों हेतु मिलेट्स के प्रति आकर्षण व उत्पाद विपणन व समस्याएं व समाधान पर मंथन करेंगे।

राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जी.के. कौतू, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक विस्तार सेवायें ने जानकारी देते हुये बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में देश के केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार वर्चुली जुड़ेंगें, साथ ही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री कमल पटेल जी, सम्मानीय मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, मध्यप्रदेश सरकार एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप सांसद, लोकसभा खजुराहों, श्री विष्णु दत्त शर्मा, नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर श्री निरूपम मेहरोत्रा जी, भारतीय एग्रो इकानोमिक रिसर्च सेंटर के जनरल सेक्रेटरी, नई दिल्ली श्री प्रमोद चौधरी एवं वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

इसके साथ ही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृषि क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक शिरकत करेंगे। विशेष आमंत्रण श्री बाबूलाल दाहिया जी, जिला– सतना जो कि 3 दशक से समर्पित रूप से स्थानीय प्रजातियों के सरंक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रहें हैं, का सम्मान किया जाएगा इसके अलावा देश व प्रदेश में मिलेट्स की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में अपनी पहचान बना चुकी, जो मोटे अनाज की स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बीज बैंक बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही, हमारे डिण्डोरी जिले व म.प्र. को गौरव प्रदान करने वाली सुश्री लहरी बाई की प्रेरणादायी उपस्थिति रहेगी।

हमारे ब्रीडर राईट्स प्राप्त 11 कृषक, एन.जी.ओ. के प्रतिनिधि, कृषि के क्षेत्र के सफल व्यवसायी, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, कृषि अधिकारी, 22 जिलों में संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं कृषक, नाबार्ड के अंतर्गत 60 कृषक एवं जी.आई.जेड. के 30 प्रगतिशील कृषकों की भागीदारी रहेंगी।

राष्ट्रीय संगोष्टी सात थीम पर व्यापक विचार मंथन हेतु आयोजित है। मिलेट्स की उत्पादकता बढ़ाने हेतु विचार–विमर्श, परम्परागत एवं प्राकृतिक खेती हेतु प्रयास, एक मुख्य निर्यातक उत्पाद बनाना, मूल्य संवर्धन, पैकिंग, विपणन एवं ब्रांडिं, उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु एन.जी.ओ. एवं स्टार्टअपस् को आगे लाना, मिलेट्स की लुप्त प्राय प्रजातियों का संरक्षण एवं भू–मानचित्रण, मिलेट्स को बढ़ावा देने हेतु नीति निर्धारण।

मुख्य आकर्षण– मिलेट्स के फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी

संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. कौतू ने जानकारी देते हुये बताया कि ये सभी पॉजिटिव मिलेट्स (श्री अन्न), कोदो, कुटकी, रांगी, सांवा, कंगनी, ज्वार, बाजरा जैसे पोषक अनाज को आम जनमानस में जागरूकता हेतु **मिलेट्स के फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी** लगाई जा रही है, आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला एवं डिंडोरी के प्रमुख फसल मिलेट्स के विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन कर एवं बने हुये उत्पादों का आनंद जबलपुर वासी भी उठा पाएंगे। इस हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन में फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस हेतु खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विशेष रूप से विभिन्न प्रकार के मिलेट्स के व्यंजन एवं उत्पाद तैयार कर प्रदर्शनी लगाई जा रही है एवं इन पोषण से युक्त उत्पादों का स्वाद दिनांक 1 एवं 2 मार्च 2023 को जबलपुरवासी भी उठा पाएंगे। इसमें प्रमुख रूप से कोदो, कुटकी, सावां, रागी, ज्वार, बाजरा, कंगनी, से बने हुये मूल्य संवंर्धित उत्पाद जैसे– मिलेट खीर, खिचड़ी, पास्ता, मफिन, पापड़, डोसा, चीला, इडली, उत्पम, केक, सिवई, बिस्कुट, कुभीरा, मिलेट फ्लेक्स अन्य बेकरी उत्पादों का विक्रय एवं जानकारी प्रदर्शित की जायेगी। इस फेस्टिवल में मंडला एवं डिण्डारी जिले के स्व–सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित मिलेट्स उत्पाद एवं पारम्परिक व्यंजनों का भी प्रदर्शन एवं विक्रय की विशेष रूप से व्यवस्था की जा रही है। ताकि आम जनमानस तक उपयोगी मिलेट्स के उत्पाद प्राप्त हो सकें।